DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

15 July, 2024

स्मारक सिक्के

संदर्भ: *केंद्र सरकार एम. करुणानिधि की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी कर रही है।*

➢ CAMPA **स्मारक सिक्के क्या हैं?**

- घटनाओं की याद में, व्यक्तियों का जश्न मनाने या संदेशों को बढ़ावा देने के लिए जारी किए जाते हैं।
- उनके उद्देश्य से संबंधित विशिष्ट डिज़ाइन की विशेषता रखते हैं।
- अक्सर नियमित सिक्कों की तुलना में बड़े मूल्यवर्ग के होते हैं।
- आमतौर पर RBI द्वारा संग्रहकर्ताओं के आइटम के रूप में सीमित मात्रा में जारी किए जाते हैं।
- कभी-कभी सरकारी इरादों के आधार पर बड़े पैमाने पर प्रचलन के लिए अभिप्रेत होते हैं।

स्मारक सिक्कों का उद्देश्य

➢ **प्रचार:**

- संदेशों का प्रसार करना और सरकारी विषयों या मुद्दों को बढ़ावा देना।
  - **उदाहरण**: इंदिरा गांधी की सरकार के तहत परिवार नियोजन को बढ़ावा देने वाला 1974 का सिक्का।

➢ **स्मरण:**

- उल्लेखनीय व्यक्तियों और घटनाओं का सम्मान।
  - **उदाहरण**: प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लिए 1964 में पहला भारतीय स्मारक सिक्का।
  - **अन्य उदाहरण**: महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, बी आर अंबेडकर, भगत सिंह और अन्य।

➢ **स्मारक सिक्के कौन जारी करते हैं ?**

- **प्राधिकरण**:
  - केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया गया।
- **अनुरोध**:
  - राज्य सरकारें, सांस्कृतिक संस्थान या निजी संगठन सिक्के जारी करने का अनुरोध कर सकते हैं।
  - **उदाहरण**: श्री षणमुखानंद ललित कला और संगीत सभा द्वारा एम एस सुब्बालक्ष्मी सिक्के के लिए अनुरोध।

➢ **सिक्कों की ढलाई**

- सिक्का अधिनियम, 2011 के तहत सरकार को सिक्के डिजाइन करने और ढालने का अधिकार दिया गया है।
- सरकार आरबीआई से प्राप्त वार्षिक मांगपत्र के आधार पर ढाले जाने वाले सिक्कों की मात्रा तय करती है।
- आरबीआई की भूमिका केंद्र सरकार द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले सिक्कों को वितरित करने तक सीमित है।
- सिक्के मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता और नोएडा में स्थित चार सरकारी स्वामित्व वाली टकसालों में ढाले जाते हैं।

➢ **एम. करुणानिधि स्मारक सिक्का**

- **करुणानिधि के बारे में:**
  - मुथुवेल करुणानिधि (1924-2018), पाँच कार्यकालों में लगभग दो दशकों तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे।
  - कलैगनार के नाम से प्रसिद्ध, जिसका अर्थ है "कलाकार।"
  - द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता और डीएमके के लंबे समय तक प्रमुख रहे।

➢ **सिक्के की विशेषताएं:**

- 100 रुपये का मूल्यवर्ग।
- वजन 35 ग्राम।
- 200 दाँतेदार किनारों के साथ 44 मिलीमीटर का व्यास।
- **मिश्र धातु संरचना:**
  - 50% चांदी, 40% तांबा, 5% निकल और 5% जस्ता।
- पीछे की तरफ करुणानिधि का चित्र और उनके हस्ताक्षर हैं।
- **शिलालेख**:
  - "कलैग्नार एम करुणानिधि की जन्म शताब्दी" और "1924-2024।"

हिंदू मंदिरों पर राज्य का नियंत्रण

संदर्भ: *वर्षों की कानूनी लड़ाई और विवादों के बाद, पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार रविवार को 46 वर्षों के बाद श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम 1955 के शासन के तहत खोला गया।*

➢ **राज्य द्वारा मंदिरों के विनियमन का इतिहास**

- **1927:** जस्टिस पार्टी ने मद्रास हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम, 1927 को अधिनियमित किया।
- **1950:** भारत के विधि आयोग ने मंदिर के धन और संपत्तियों के दुरुपयोग की जाँच करने के लिए एक कानून पारित करने का सुझाव दिया।
- TNHR&CE **अधिनियम:** तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (TNHR&CE) अधिनियम अधिनियमित किया गया था, लेकिन इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी।
- **शिरुर मठ मामला (1954):** सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ प्रावधानों को छोड़कर समग्र कानून को बरकरार रखा, जिसके परिणामस्वरूप 1959 का संशोधित TNHR&CE अधिनियम बना।

➢ **सरकारी विनियमन की आवश्यकता**

- **अनुच्छेद 25:** अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म के स्वतंत्र पेशे, अभ्यास और प्रचार को सुनिश्चित करता है।
- **1960 की संस्तुति:** डॉ. सी. पी. रामास्वामी अय्यर आयोग ने घोषणा की कि कुप्रशासन को रोकने के लिए मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण आवश्यक है।
- **संवैधानिक शक्ति:** अनुच्छेद 25(2) राज्य को धार्मिक मामलों पर सीमित नियंत्रण रखने की अनुमति देता है।
- **भेदभाव के विरुद्ध:** द्रविड़ आंदोलन ने पिछड़े वर्गों के अधिकारों को सुनिश्चित किया, जिसके परिणामस्वरूप 1936 में त्रावणकोर मंदिर प्रवेश उद्घोषणा हुई।
- **मंदिर सुधार:** केरल और तमिलनाडु में महत्वपूर्ण सुधार, जिसमें महिला ओधुवर और पिछड़े वर्गों को अर्चक के रूप में नियुक्त करना शामिल है।
- **पारदर्शिता:** एकीकृत मंदिर प्रबंधन प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मंदिर के अभिलेखों को डिजिटल बनाती है।
- **अन्य पहल:** अर्चकों के लिए प्रशिक्षण संस्थान, दान किए गए आभूषणों को सोने की छड़ों में बदलना और भूमि अतिक्रमण के लिए बेदखली में तेजी लाना।

➢ अधिकारों का न्यायिक संतुलन

- **शिरुर मठ मामला:** सर्वोच्च न्यायालय ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1951 के प्रमुख हिस्सों को रद्द कर दिया, उन्हें धार्मिक स्वतंत्रता पर "विनाशकारी आक्रमण" करार दिया।
- **श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम (1954):** सेवा पूजा के प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए एक राज्य-नियुक्त समिति को सौंपा गया।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **वक्फ अधिनियम:** धर्मार्थ संस्थाओं पर लागू होता है और मस्जिद जैसे पूजा स्थलों को इससे बाहर रखा जाता है, जो पूजा स्थलों के सरकारी विनियमन के खिलाफ तर्क का समर्थन करता है।
- **सबरीमाला मामला और जोसेफ शाइन मामला (2018):** सर्वोच्च न्यायालय ने वंचित समूहों के खिलाफ ऐतिहासिक और प्रणालीगत भेदभाव को खत्म करने और विभिन्न संवैधानिक अधिकारों के न्यायिक संतुलन को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।
- **प्राथमिकता का संवैधानिक क्रम:** सबरीमाला मामले में, न्यायालय ने माना कि धर्म की स्वतंत्रता के व्यक्तिगत अधिकार भाग III में मान्यता प्राप्त समानता, स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक सिद्धांतों के अधीन हैं।

विदेशी मुद्रा खाते

***संदर्भ**: RBI ने बुधवार को घोषणा की कि निवासी व्यक्ति अब उदारीकृत विप्रेषण योजना (LRS) के तहत GIFT सिटी के IFSCs में विदेशी मुद्रा खाते (FCA) खोल सकते हैं।*

- **IFSCs में LRS के तहत विप्रेषण की अनुमति है, ताकि IFSCs में प्रतिभूतियों में निवेश किया जा सके, सिवाय उन प्रतिभूतियों के जो भारत में रहने वाली संस्थाओं/कंपनियों (IFSC के बाहर) द्वारा जारी की जाती हैं।**
- **केंद्र सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना में निर्दिष्ट पाठ्यक्रमों के लिए IFSCs में विदेशी विश्वविद्यालयों या संस्थानों को शुल्क के भुगतान की अनुमति है।**
- **वर्तमान निर्देश विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 10(4) और 11(1) के तहत जारी किए गए हैं।**
- **निर्देश किसी अन्य कानून के तहत आवश्यक अनुमतियों/अनुमोदनों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना हैं।**

➢ **विदेशी मुद्रा खाता:**

- **एक विदेशी मुद्रा खाता भारत, नेपाल या भूटान की मुद्रा के अलावा किसी अन्य मुद्रा में रखा गया खाता है।**

➢ **भारत में रहने वाले व्यक्तियों के लिए प्रमुख विदेशी मुद्रा खाते**

- **मुद्रा अर्जक विदेशी मुद्रा खाता (ईईएफसी):**
  - **अधिकृत डीलर श्रेणी-I बैंक के साथ विदेशी मुद्रा में बनाए रखा जाता है।**
  - **विदेशी मुद्रा अर्जक अपनी विदेशी मुद्रा आय का 100% क्रेडिट करने की अनुमति देता है।**
  - **विदेशी मुद्रा को रुपये में बदलने और इसके विपरीत करने की आवश्यकता को कम करता है, जिससे लेनदेन लागत कम हो जाती है।**
- **निवासी विदेशी मुद्रा (घरेलू) [आरएफसी (डी)] खाता:**
  - **निवासी भारतीयों द्वारा विदेशी मुद्रा में बनाए गए बैंक खाते।**
  - **भारत लौटने वाले एनआरआई के लिए उपयोगी जो विदेशी खातों से विदेशी मुद्रा वापस लाना चाहते हैं।**

➢ **निवासी विदेशी मुद्रा (आरएफसी) खाता:**

- **यूएसडी और जीबीपी जैसी विदेशी मुद्राओं में बचत खाता।**
- **उन एनआरआई के लिए अभिप्रेत है जो भारत लौट आए हैं और विदेशी मुद्रा में धन रखते हैं।**
- **अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए प्रमुख विदेशी मुद्रा खाते**

➢ **विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर) योजना:**

- **एनआरआई को भारतीय बैंकों में धन हस्तांतरित करने में मदद करती है।**
- **शुरुआत में छह मुद्राओं में जमा की अनुमति दी गई; 2011 के बाद, किसी भी स्वतंत्र रूप से परिवर्तनीय मुद्रा में जमा किया जा सकता है।**
- **एफसीएनआर खाते एनआरआई और पीआईओ द्वारा विदेशी मुद्राओं में बनाए गए सावधि जमा हैं।**
- **विनिमय दर में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा प्रदान करते हैं।**
- **मूलधन और ब्याज राशि कर-मुक्त और पूरी तरह से प्रत्यावर्तनीय हैं।**
- **खाते निवासियों या गैर-निवासियों के साथ संयुक्त रूप से खोले जा सकते हैं।**
- **अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है, जिसमें भारत और विदेशी मुद्रा दोनों में जमा के विरुद्ध ऋण उपलब्ध होता है।**

➢ **एफसीएनआर और एफसीएनआर (बी) के बीच अंतर**

- **एफसीएनआर (बी) बनाम एफसीएनआर (ए):**
- **एफसीएनआर (बी) को एफसीएनआर (ए) को बदलने के लिए पेश किया गया था, जहां विदेशी मुद्रा जोखिम आरबीआई और भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता था।**
- **1993 में, एफसीएनआर (बी) को विनिमय दर गारंटी के बिना पेश किया गया था।**
- **सभी मौजूदा एफसीएनआर खाते एफसीएनआर (बी) खाते हैं।**

➢ **ब्याज दरें:**

- **एफसीएनआर (बी) जमाराशियों पर ब्याज दरें ओवरनाइट अल्टरनेटिव रेफरेंस रेट (एआरआर) की अधिकतम सीमा के अधीन हैं।**
- **एनआरई जमाराशियों के लिए, ब्याज दरें तुलनीय घरेलू रुपया सावधि जमाराशियों पर दी जाने वाली दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।**

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अलमट्टी बांध

हाल ही में, कृष्णा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हुई बारिश ने जल संसाधन विभाग (WRD) के अधिकारियों और किसानों के बीच आशा की किरण जगाई है, क्योंकि प्रमुख जलाशयों, विशेष रूप से अलमट्टी बांध में बढ़ते जल स्तर से पानी की उपलब्धता और कृषि की संभावनाओं में वृद्धि हुई है।

अलमट्टी बांध के बारे में:

- अलमट्टी बांध, जिसे लाल बहादुर शास्त्री जलाशय के रूप में भी जाना जाता है, कर्नाटक के बागलकोट जिले में कृष्णा नदी पर एक जलविद्युत परियोजना है।
- बांध का निर्माण 2005 में ऊपरी कृष्णा परियोजना के हिस्से के रूप में पूरा हुआ था।
- यह एक बहुउद्देशीय बांध है जिसका उपयोग सिंचाई, जलविद्युत उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण के लिए किया जाता है।
- यह ऊपरी कृष्णा सिंचाई परियोजना (UKP) के लिए मुख्य जलाशय है और इसका वार्षिक विद्युत उत्पादन 713 मिलियन किलोवाट (KW) है।

- कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (KRMB) अलमट्टी बांध सहित कृष्णा बेसिन में जल संसाधनों के विनियमन और प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है।

कृष्णा नदी:

- कृष्णा नदी भारत की सबसे लंबी नदियों में से एक है।
- यह नदी महाराष्ट्र में महाबलेश्वर के पास पश्चिमी घाट से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से होकर बहती है।
- कृष्णा नदी की प्रमुख सहायक नदियों में बाएं किनारे पर भीमा, मूसी और मुन्नेरू और दाएं किनारे पर घाटप्रभा, मालाप्रभा और तुंगभद्रा शामिल हैं।
- कृष्णा नदी पर बने महत्वपूर्ण बांधों में आंध्र प्रदेश में अलमट्टी, श्रीशैलम और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच नागार्जुन सागर शामिल हैं।

विंडमेयर पाम

हाल ही में, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) ने सिक्किम और कलिम्पोंग में सिल्क रूट पर एक अध्ययन प्रकाशित किया, जिसमें विविध वनस्पतियों और परिदृश्यों का दस्तावेजीकरण किया गया, जिसमें विशेष रूप से विंडमेयर पाम पर फोकस किया गया।

विंडमेयर पाम के बारे में:

- विंडमेयर पाम (ट्रेचीकार्पस लैटिसेक्टस) प्लांटे राज्य, ऑर्डर ऐरेकेल्स, परिवार ऐरेकेसी, जीनस अरेंगा और प्रजाति अरेंगा वेस्टरहौटी से संबंधित है।
- यह एक जंगली ताड़ की प्रजाति है जो विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही है और कलिम्पोंग क्षेत्र में इसके कुछ ही पेड़ बचे हैं।
- विंडमेयर पाम एक मध्यम आकार का ताड़ है जो 10-12 मीटर तक की ऊंचाई तक पहुंच सकता है।
- इसका एक अकेला तना और बड़ी, पिननेट पत्तियां होती हैं।
- विंडमेयर पाम के रस का उपयोग चीनी और शराब बनाने के लिए किया जाता है, इसकी पत्तियों का उपयोग छप्पर और चटाई बनाने के लिए किया जाता है और इसके तने के रेशों का उपयोग रस्सियों और ब्रशों के लिए किया जाता है।
- यह ताड़ का पेड़ उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु का वृक्ष है और आम तौर पर निचले वर्षावनों और द्वितीयक प्रकार के जंगलों में उगता है।
- यह ताड़ दक्षिण पूर्व एशिया का मूल निवासी है और भारत, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया तथा इंडोनेशिया जैसे देशों में पाया जाता है।
- इसे IUCN रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाती के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

पालिम्प्सेस्ट

पालिम्प्सेस्ट के बारे में:

- पालिम्प्सेस्ट चर्मपत्र से बने पृष्ठ होते हैं, जहाँ मौजूदा टेक्स्ट को खुरच कर या धोकर सामग्री का पुनः उपयोग किया जाता था, जिससे पुनः उपयोग की गई पांडुलिपियों के लिए शब्द की उत्पत्ति हुई।
- चर्मपत्र जानवरों, विशेष रूप से बकरियों की बिना रंगी हुई खाल से बनी हुई एक लेखन सामग्री थी।
- "पालिम्प्सेस्ट" शब्द का उपयोग खगोल विज्ञान में ग्रहों के पिंडों पर मिट चुके गड्ढों का वर्णन करने के लिए और भूविज्ञान में विभिन्न संरचनाओं की क्रमिक परतों द्वारा निर्मित विशेषताओं के लिए भी किया जाता है।
- ऐतिहासिक रूप से, चर्मपत्र महंगा था, इसलिए इसे अक्सर दूध और जई के चोकर से धोने जैसी विधियों से पुराने टेक्सटों को मिटाकर पुनः उपयोग किया जाता था, जिससे अंडरराइटिंग बनती थी।
- बाद में, टेक्स्ट को स्थायी रूप से हटाने के लिए प्यूमिस से खुरचने का उपयोग किया गया।
- समकालीन विद्वान पालिम्प्सेस्ट से अस्पष्ट टेक्सटों को समझने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग करते हैं, जिससे छिपे हुए ऐतिहासिक दस्तावेज़ सामने आते हैं।
- इसके उल्लेखनीय उदाहरणों में सना पालिम्प्सेस्ट, आर्किमिडीज़ पालिम्प्सेस्ट और सिसेरो का 'डी रे पब्लिका' शामिल हैं।

मिड-इन्फ्रारेड इंस्ट्रूमेंट

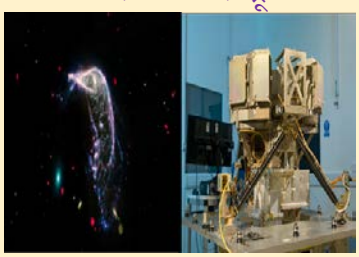

हाल ही में, नासा ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के मिड-इन्फ्रारेड इंस्ट्रूमेंट (MIRI) से प्राप्त एक छवि जारी की, जिसमें दो परस्पर क्रियाशील आकाशगंगाएँ दिखाई दे रही हैं: NGC 2937 (अंडा), एक अण्डाकार आकाशगंगा है जो चैती अंडाकार जैसी दिखती है, और NGC 2936 (पेंगुइन), एक बड़ी विकृत सर्पिल आकाशगंगा।

मिड-इन्फ्रारेड इंस्ट्रूमेंट के बारे में:

- मिड-इन्फ्रारेड इंस्ट्रूमेंट (MIRI) NASA के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप पर मौजूद चार वैज्ञानिक उपकरणों में से एक है।
- इसे इन्फ्रारेड प्रकाश में ग्रहों, तारों और आकाशगंगाओं का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह 4.9 से 28.8 माइक्रोन तक की तरंग दैर्ध्य वाले प्रकाश को पकड़ सकता है।
- इसकी क्षमताएँ वेब टेलीस्कोप को इसके अन्य उपकरणों की तुलना में लंबी तरंग दैर्ध्य पर निरीक्षण करने की अनुमति देती हैं।
- इसके संवेदनशील डिटेक्टर इसे ऐसी वस्तुओं को देखने की अनुमति देते हैं जैसे: दूर की आकाशगंगाओं से लाल रंग का प्रकाश, नए बनने वाले तारे, मंद रूप से दिखाई देने वाले धूमकेतु और कुइपर बेल्ट में वस्तुएँ।

	▪ इसका कैमरा वाइड-फील्ड, ब्रॉडबैंड इमेजिंग प्रदान कर सकता है, जबकि इसका स्पेक्ट्रोग्राफ मध्यम-रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रोस्कोपी को सक्षम कर सकता है। इसे 10 यूरोपीय देशों के 24 खगोलीय संस्थानों और नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) के एक संघ द्वारा ईएसए के साथ साझेदारी में विकसित किया गया था। यह -266 डिग्री सेल्सियस पर संचालित होता है, जो कि पूर्ण शून्य से केवल सात डिग्री ऊपर है।
सुर्खियों में स्थल नेपाल	*खड्ग प्रसाद शर्मा ओली आज तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।* **नेपाल (राजधानी: काठमांडू)** **स्थान: नेपाल दक्षिण एशिया में एक स्थलरुद्ध देश है।** **राजनीतिक सीमाएँ: नेपाल भारत (पूर्व, पश्चिम और दक्षिण) और चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (उत्तर) के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है।** **भौतिक विशेषताएँ:** **दुनिया की सबसे ऊँची चोटी, माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर), जिसे नेपाली भाषा में सागरमाथा और तिब्बती भाषा में चोमोलुंगमा के नाम से भी जाना जाता है, हिमालय में नेपाल-चीन सीमा पर स्थित है।** **नेपाल की प्रमुख नदियों में कोशी, गंडकी और करनाली शामिल हैं, जो हिमालय से निकलती हैं और देश के दक्षिण की ओर प्रवाहित होती हैं।** **नेपाल में चूना पत्थर, लौह अयस्क, तांबा, कोयला, अभ्रक, क्वार्ट्ज और मैग्नेसाइट जैसे खनिज प्राप्त होते हैं।** **अंतर्राष्ट्रीय संबंध: नेपाल विभिन्न देशों के साथ राजनयिक संबंध रखता है और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) तथा दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।**

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस संगठन ने 2024 के लिए ब्लू प्लैनेट पुरस्कार जीता?-**आईपीबीईएस (जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतर-सरकारी मंच)**
- CHAPEA परियोजना के हिस्से के रूप में एक साल के नकली मंगल मिशन के बाद, नासा का एक दल नासा की किस सुविधा में स्थित अपने 17,000 वर्ग फुट के आवास से बाहर निकला?-**जॉनसन स्पेस सेंटर**
- गुमला के नेतरहाट पठार क्षेत्र में रहने वाले किस विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (PVTG) को जल्द ही वन अधिकार अधिनियम (FRA) के तहत लाभ मिलेगा?-**असुर**
- उपग्रह चित्रों और जमीनी सर्वेक्षणों का उपयोग करते हुए एक भू-स्थानिक विश्लेषण में बिहार के किस ऐतिहासिक स्थान में महत्वपूर्ण वास्तुशिल्प संपदा के साक्ष्य मिले?-**महाबोधि मंदिर परिसर, बोधगया**
- त्रिपुरा के मुख्य त्योहारों में से एक, खर्ची पूजा, किस महीने और अमावस्या के किस दिन मनाई जाती है?-**जुलाई-अगस्त, आठवाँ दिन**